

हिंदी दिवस - 2021

आज 14 सितंबर 2021 को हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर भारती विद्यापीठ प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। भारतीय स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से "आजादी का अमृत महोत्सव" मनाया जा रहा है। इस अवसर पर साहित्यकार श्री यश मालवीय जी, कवि एवं लेखक श्री श्लेष गौतम जी एवं कवयित्री श्रीमती निशि शर्मा 'जिज्ञासु' जी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर संगोष्ठी, वाद-विवाद, निबंध, कविता आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। भारती विद्यापीठ की ओर से श्री शुभम मिश्रा एवं डॉ. रीना गुप्ता ने विभिन्न कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया।



BHARATI VIDYAPEETH
(DEEMED TO BE UNIVERSITY)
INSTITUTE OF MANAGEMENT & RESEARCH, NEW DELHI
'A' GRADE UNIVERSITY STATUS AWARDED BY MHRD, GOVT. OF INDIA
RE-ACCREDITED WITH 'A+' GRADE BY NAAC



14 सितंबर 2021

हिन्दी दिवस

आजादी का अमृत महोत्सव

एक पथ मातृभाषा की ओर!



श्री यश मालवीय
साहित्यकार

निराला सम्मान,
उमाकांत मालवीय, और
मोदी कला भारती
पुरस्कार
से सम्मानित।

समय:
प्रातः 9:30- 10:30



श्री श्लेष गौतम
कवि एवं लेखक

डॉ हरिवंश राय बच्चन युवा
गीतकार सम्मान , और
जनकवि कैलाश गौतम
पुरस्कार
से सम्मानित।

समय:
प्रातः 10:30- 11:30



श्रीमती निशि शर्मा
कवयित्री एवं लेखिका

काव्य- सुरभि सम्मान,
साहित्य गौरव सम्मान,
और मानव संसाधन भारत
सरकार द्वारा पुरस्कार
से सम्मानित।

समय:
सायं: 4:00- 5:00

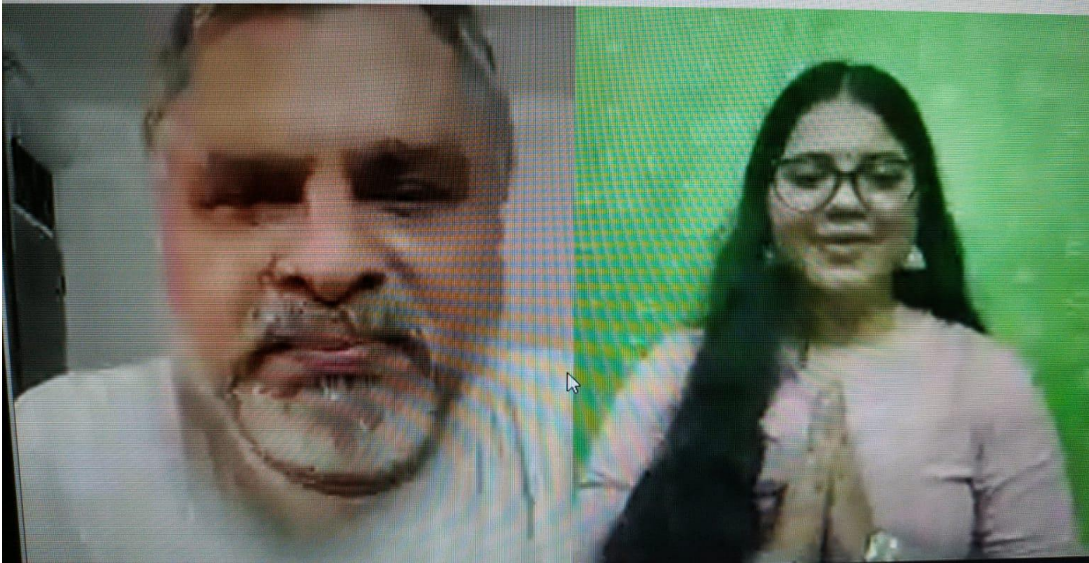
माध्यम-  [CLICK HERE TO JOIN](#)

संकाय समन्वयक :
शुभम मिश्रा - +91 83037 89101 , डॉ. रीना गुप्ता - +91 98114 68411
ईमेल : shubham.mishra@bharatividyaapeeth.edu ,
reena.gupta@bharatividyaapeeth.edu

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव जी ने की। उन्होंने हिन्दी के बदलते स्वरूप को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि कैसे पिछले 40 सालों में उन्होंने युवाओं के बीच हिंदी से गहरा जुड़ाव देखा है।

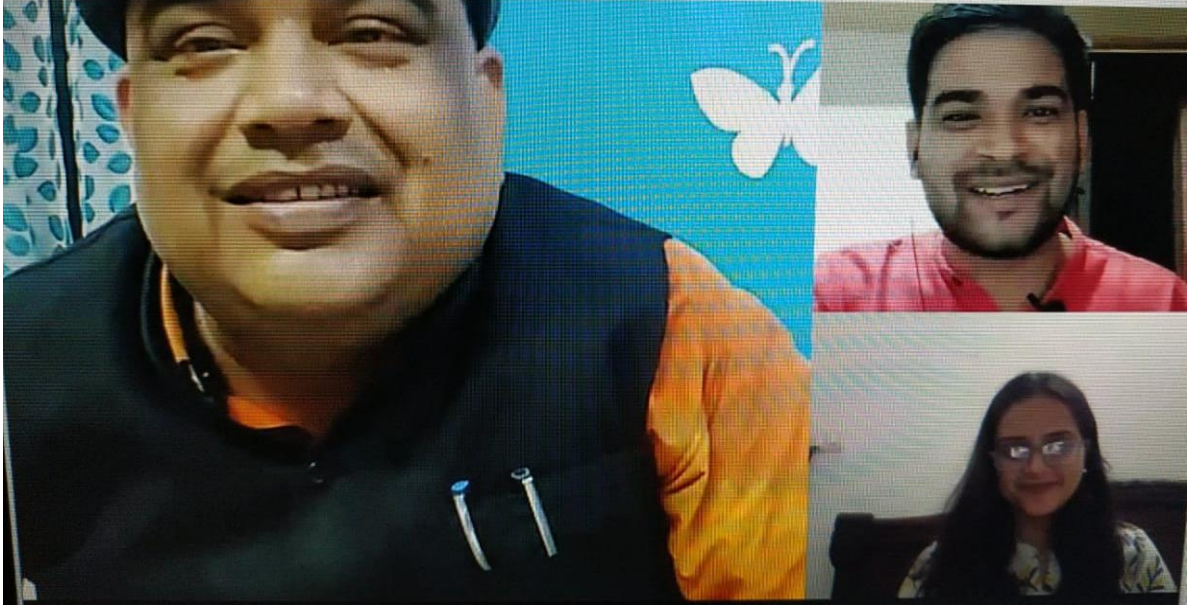
संवाद की कड़ी में साहित्यकार श्री यश मालवीय जी को आमंत्रित किया गया। उन्होंने हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए हिन्दी के अभूतपूर्व योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे हिंदी और लेखकों ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांति का बिगुल बजाया। उन्होंने दिनकर को याद करते हुए सरकारी विभाग में हो रहे बदलावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिन्दी की सीमा अनंत है और यह भाषा अन्य सभी भाषाओं को अपने में समाहित कर चलती है।

उन्होंने अपनी कई रचनाएं सभी को सुनाई और छात्रों के सवालों के जवाब दिए। प्रश्न थे, 1) स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद भारत में हिंदी साहित्य की वर्तमान स्थिति पर आपके क्या विचार हैं? और 2) क्या चीन और जापान ने जिस तरह अपनी भाषा से विकास किया है, उसी तरह हिंदी से भी विकास संभव है? मंच का संचालन मनाली कुमारी ने किया।

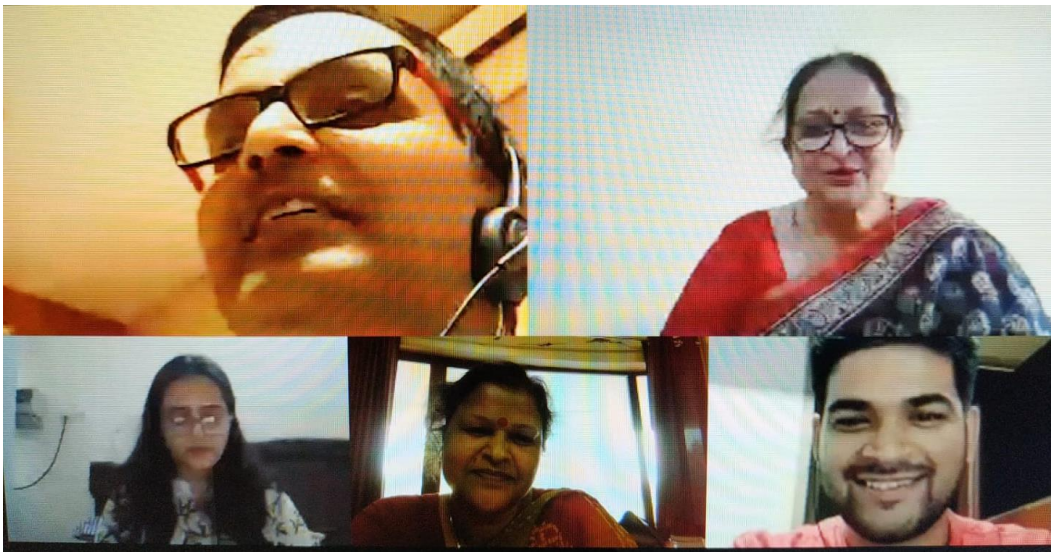


उसके बाद कवि और लेखक श्री श्लेश गौतम जी को आमंत्रित किया गया और उन्होंने अपनी विभिन्न कविताओं और शायरी के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने हिंदी दिवस पर लिखी अपनी

विशेष रचना को भी गाया और सभी के सवालों के खूबसूरत जवाब दिए। मंच का संचालन शिवी भूटानी और रेनी चौहान ने किया।



कार्यक्रम का समापन एक संगोष्ठी के साथ हुआ जिसमें श्रीमती निशि शर्मा जिज्ञासु जी को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने अपने जीवन की कहानियां सुनाईं और आज की युवा पीढ़ी को आने वाले कल के लिए प्रेरित किया। निशि जी ने अपनी कविताओं के माध्यम से बताया कि जब मन के विचारों को व्यक्त करने की बात आती है तो हिंदी कितनी सरल और सहज होती है। 21वीं सदी में हिंदी और हम पर बोलते हुए उन्होंने आशा की बात की और कहा कि यह पीढ़ी हिंदी को अपने चरम स्तर पर ले जाएगी। मंच का संचालन भव्य खत्रेजा और साहिल शर्मा ने किया।



यह हिंदी दिवस 2021 भारतीय विद्यापीठ, नई दिल्ली की निदेशिका डॉ यामिनी अग्रवाल जी के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ।

श्री शुभम मिश्रा और डॉ. रीना गुप्ता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

Bharati Vidyapeeth (Deemed to be) University
Institute of Management and Research (BVIMR), New Delhi

PRESS RELEASE

September 15, 2021

BVIMR ORGANIZES Hindi Diwas

Extending Bharati Vidyapeeth (Deemed to be) University's distinctive features of "*performance beyond books and excellence in knowledge resources and initiatives*", Bharati Vidyapeeth (Deemed to be University) Institute of Management and Research (BVIMR), New Delhi organized "**Hindi Diwas**" on 14th September, 2021 under Prof. (Dr.) Yamini Agarwal's (Director- BVIMR) guidance.

Various programs were organized by Faculty members and students. The auspicious "Hindi Diwas" is in pursuance to celebrate "*Azadi Ka Amrit Mahotsav*", to commemorate the 75th year of Indian independence.

The inaugural session of the event was presided over by Professor Dr. Anil Kumar Srivastav, who apprised the adaptable spirit of Hindi and his four decades' deep connect with the Indian youth through Hindi language only. He is himself well versed with Hindi poetry and an ardent follower and promoter of Hindi language and literature.

On this occasion, Littérateur- Mr. Yash Malviya, Poet and Writer- Mr. Shlesh Gautam and Poet- Mrs. Nishi Sharma graced the occasion with their dignified presence. The dignitaries highlighted the importance of Hindi language in building India's spirit of "*swadeshi*" and its importance in sustaining national integration that is in jeopardy since more than a decade owing to the vested interests of anti-national elements/movements.

The guests created the ambience of Hindi by reciting their literary works, some of them were created for Hindi Diwas only. The importance of Hindi was reinforced by remembering its contribution during National independence movement and they reiterated the old saying; "*pen is mightier than sword.*"

Mr. Yash Malviya rendered his following couplets created for this occasion and encouraged students and faculty members take a pledge to promote Hindi language and culture in their daily life:

--- "*Hindi divas sankalp ka din hai. Yeh pranrh leyney ka din hai. Sapnon ko saakar kernay ka din hai.*"

---“ Dabey paer say ujala aa raha hai.....Phir kathaaron ko khangala jaa raha hai.....”

His following pieces of poetry recited specially on this occasion shall serve highlight the importance of Hindi diwas:

---“ Hindi divas sankalp ka din hai. Yeh pranrh leyney ka din hai. Sapnon ko saakar kernay ka din hai.”

**---“ Dabey paer say ujala aa raha hai.....
Phir kathaaron ko khangala jaa raha hai.....”**

After that, Poet and Writer-Mr. Shlesh Gautam, captivated everyone through his various poems. He also sang his special composition written for Hindi Diwas at BVIMR, that inspired everyone initiate efforts for Hindi's revival. He mentioned that Government of India is undertaking all possible initiatives, but, unless and until every Indian, especially the youth use Hindi and make it a part of their daily life, the dream of Hindi's revival can't be achieved. His following creation aptly portrays his thought patterns:

**“Bhasha ki bhaw bhumi hai samvad hai Hindi, Antehkaraj ki cheytna hai naad hai Hindi,
Shabdon ka sanskaron mein anuvad hai Hindi, Bachchan Nirala Pant hai Prasad hai Hindi.”**

The celebrations ended with a seminar conducted by Mrs. Nishi Sharma Jigyasu. She inspired the audience by narrating her real life's episodes where Hindi had a notable role owing to its simplicity. Emphasizing upon **‘Hindi and Hum in the 21st century,’** she stated that its responsibility of each and every citizen of India and that includes Bollywood stars more specifically (owing to their influencing appeal), to make Hindi language as the medium of communication as and when they socialize. Her following creation is a source of inspiration that revival of Hindi language is possible with integrated efforts of Government, Educational institutions and students:

**“Dil naaumeed nahin nakam hi tau hai....
Lambi hai ghamay shyam, magar shyam hi tau hai.”**

During valedictory session, Professor (Dr.) Yamini Agarwal, Director -BVIMR, emphasized upon the pride and rich cultural heritage that we all Indians are fortunate enough to have

inherited and that it is our responsibility to sustain and further promote the very essence of spirit of Hindi.

‘Hindi Diwas’ at BVIMR was celebrated by all as a true HINDIAN.

For more information on this topic, please contact at:

reena.gupta@bharativedyapeeth.edu

shubham.mishra@bharativedyapeeth.edu

